नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 262
दि. 23.01.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

सनातन को भीतर से खोखला कर रहे 'कालनेमि', ऐसे लोगों को पहचानना जरूरी : सीएम योगी

'संत का स्वाभिमान उसका राष्ट्र', शंकराचार्य विवाद के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ का आया पहला बयान

(जीएनएस)।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद विवाद के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी को परंपरा बाधित करने का हक नहीं है. चार करोड़ लोगों ने 18 तारीख को माघ मेले से स्नान किया।

ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के प्रयागराज माघ मेले में मौनी अमावस्या के दिन स्नान को लेकर हुए विवाद अभी भी थमने का नाम नहीं ले रहा है. इसी बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिना नाम लिए कहा कि एक योगी, एक संत के लिए, एक सन्यासी के लिए धर्म व राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं होता, उसकी व्यक्तिगत प्रॉपर्टी कुछ नहीं होती.

सोनीपत पहुंचे सीएम योगी ने कहा कि एक संत के लिए धर्म ही उसकी प्रॉपर्टी है, राष्ट्र ही उसका स्वाभिमान होता है. कोई धर्म के खिलाफ आचरण करता है, क्योंकि ऐसे बहुत कालनेमि होंगे जो धर्म की आड़ में सनातन धर्म को कमजोर करने की साजिश रच रहे होंगे, हमें उनसे सतर्क रहना होगा. किसी को परंपरा बाधित करने का हक नहीं है. चार करोड़ लोगों ने 18 तारीख को माघ मेले से स्नान किया.

वहीं सीएम योगी ने कहा कि प्रयागराज में सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण देखने को मिल रहा है, यह संतो का प्रताप है, जिससे श्रद्धालुओं का सम्मान हो रहा है. आज गुलामी की बेड़ियां टूट गई आज अयोध्या में भव्य सनातन पताका फहरा रही है. आज से दस साल पहले काशी विश्वनाथ धाम में एक साथ दस लोग नहीं जा सकते थे, आज वहां डेढ़ से 2 लाख श्रद्धालु वहां रोज दर्शन करते हैं. सोनीपत पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुरथल के नागे बाबा मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा

कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे. यहां उन्होंने कहा कि भारत की सनातन धर्म की विरासत में नाथ पंथ प्राचीनतम उपासना विधियों में से एक है, जिसने जीवन जीने के लिए नई प्रेरणा दी है. समाज को प्रेरित किया है, यही कारण है वृहत्तर भारत में उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम नाथ सन्यासियों के चिन्ह मिलेंगे.

अमेरिकी टैरिफ तनाव के बीच पीएम ने लूला दा सिल्वा से बात की, जल्द भारत आएंगे ब्राजील के राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा से बात की। पीएम मोदी ने कहा कि वैश्विक दक्षिण के साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए दोनों देशों में करीबी सहयोग बहुत जरूरी है। एक्स एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा, मैं जल्द ही ब्राजील के राष्ट्रपति का भारत में स्वागत करने का इंतजार कर रहा हूं।

पीएम मोदी ने कहा, राष्ट्रपति लूला से बात करके खुशी हुई। हमने भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी में मजबूत गति की समीक्षा की, जो आने वाले साल में नई ऊंचाइयों पर पहुंचने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहा, वैश्विक दक्षिण के साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए हमारा करीबी सहयोग बहुत जरूरी है।

सरकारी बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने और आने वाले साल में इसे और ऊंचाइयों पर ले जाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। पिछले साल ब्रासीलिया और साउथ अफ्रीका में हुई अपनी मुलाकातों को याद करते हुए, दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, तकनीक, रक्षा, ऊर्जा, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र सहित द्विपक्षीय सहयोग के अलग-अलग क्षेत्रों में हुई महत्वपूर्ण प्रगति पर संतोष जताया।

भारत 2026 में ब्रिक्स शिखर बैठक की अध्यक्षता करने वाला है और इसमें शामिल होने के लिए अन्य शासनाध्यक्षों के अलावा लूला दा सिल्वा भी आने वाले हैं। लूला ने पिछले अगस्त में पुष्टि की थी कि 2026 की शुरूआत में भारत का राजकीय दौरा होगा। उन्होंने था कि वह ट्रंप द्वारा लगाए गए टैक्स से निपटने के लिए ब्रिक्स देशों के समूह के बीच बातचीत

सीएम योगी ने कहा कि आज ये देश प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक भारत श्रेष्ठ भारत बनते खुद को देख रहा है. हमारा सौभाग्य है कि 1000 साल में जिसमें दर्जनों पीढियां चली गईं, ये एक हजार वर्ष गुलामी की जंजीरों को तोड़ते हुए पूरे हो गए, लोगों ने मान लिया था कि गुलामी की जंजीरों को नहीं तोड़ पाएंगे.

पीएम मोदी के नेतृत्व में एक भारत श्रेष्ठ भारत बनते खुद को देख रहा- सीएम योगी

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की झांकी में भारत की कहानी कहने की परंपराओं और वेव्स के विजन को दिखाया जाएगा

ओम से एल्गोरिदम तक, झांकी राष्ट्र की फलती-फूलती रचनात्मक अर्थव्यवस्था को दर्शाएगी

(जीएनएस)।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की झांकी, "भारत गाथाः श्रुति, कृति, दृष्टि," कहानी कहने की कला में भारत की सभ्यतागत यात्रा की शक्तिशाली दृश्य कहानी प्रस्तुत करेगी। इसमें प्राचीन मौखिक परंपराओं से लेकर वैश्विक कंटेंट और मीडिया पावरहाउस के रूप में इसके उदय तक की पूरी यात्रा दर्शाई जाएगी। यह झांकी आत्मनिर्भर भारत की भावना को दर्शाती है, जो सांस्कृतिक विरासत को तकनीकी नवाचार के साथ सहज रूप से मिलाती है।

श्रुति भारत की समृद्ध मौखिक विरासत का प्रतीक है, जिसे पीपल के पेड़ के नीचे शिष्यों को ज्ञान देते हुए गुरु के माध्यम से दर्शाया गया है। इसके साथ ही ओम की ब्रह्मांडीय अनुगूंज और ज्ञान की उत्पत्ति का प्रतिनिधित्व करने वाले ध्वनि-तरंग रूपांकनों को भी प्रदर्शित किया गया है।

कृति लिखित अभिव्यक्ति के विकास को चिह्नित करती है, जिसमें भगवान गणेश महाभारत लिख रहे हैं। इसे पांडुलिपियों, प्रदर्शन कलाओं और शुरूआती संचार परंपराओं के दृश्यों के माध्यम से भी दिखाया गया है जिन्होंने भारत की बौद्धिक विरासत को आकार दिया।

दृष्टि प्रिंट, सिनेमा, टेलीविजन और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए भारत के मीडिया के विकास को दिखाती है। विंटेज कैमरे, फि ल्म रील, सैटेलाइट, अखबार और बॉक्स ऑफि स जैसे विजुअल एलिमेंट उन फि ल्म निर्माताओं और कलाकारों की पीढ़ियों को सम्मान देते हैं जिन्होंने भारत की सांस्कृतिक पहचान को आकार दिया है। यह झांकी एआई, अश्रृ-फ और वर्चुअल प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी के जरिए भविष्य के लिए तैयार कहानी कहने पर भी जोर देती है, जो इमर्सिव स्टोरीटेलिंग की ओर बदलाव को दिखाती है।

कलाकार इस झांकी को जीवंत बनाते हैं। यह थीम भारत को एक ग्लोबल कंटेंट हब के रूप में स्थापित करने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के लक्ष्य से मेल खाती है।

जिसे वेव्स 2025 ने और मजबूत किया है। इस सम्मेलन ने "ऑरेंज इकोनॉमी की सुबह" की शुरूआत की, जिसमें दुनिया भर से बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया और महत्वपूर्ण बिजनेस डील हुईं।

यह झांकी सांस्कृतिक टाइमलाइन और भविष्य की सोच वाले विजन स्टेटमेंट दोनों के रूप में दिखाई गई है, जो भारत के प्राचीन ज्ञान को उसके डिजिटल भविष्य से जोड़ती है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने जिलों के प्रशासनिक तंत्र को स्थानीय प्रस्तुतियों पर नागरिकोन्मुखी निर्णय लेकर समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए स्पष्ट निर्देश दिए

जनवरी - 2026 के राज्य स्वागत ऑनलाइन कार्यक्रम में 110 प्रस्तुतियां, जिला स्वागत कार्यक्रम में 1,492 तथा तहसील स्वागत कार्यक्रम में 2,565 सहित कुल 4,057 प्रस्तुतियों पर कार्रवाई की गई मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की किसानों और सामान्य नागरिक परिवारों की समस्याओं के समाधान के प्रति विशिष्ट संवेदनशीलता

गांधीनगर, 22 जनवरी : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने जनवरी-2026 के राज्य स्वागत में आई प्रस्तुतियों को प्रत्यक्ष रूप से सुनकर सार्वजनिक रास्तों पर किए गए अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण, ड्रेनेज और नालों में किए गए अवैध अतिक्रमण, तथा एक गांव से दूसरे गांव को जोड़ने वाले मार्गों पर किए गए अतिक्रमण से संबंधित राज्य स्वागत कार्यक्रम की प्रस्तुतियों पर नागरिकोन्मुखी निर्णय लेते हुए समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासनिक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।

हर महीने के चौथे गुरुवार को आयोजित 'स्वागत ऑनलाइन' जन शिकायत निवारण कार्यक्रम अंतर्गत जनवरी-2026 के राज्य-स्वागत में राज्य भर से 110 से अधिक प्रस्तुतिकर्ता अपनी प्रस्तुतियों के साथ उपस्थित हुए। इसके अतिरिक्त, जिला स्वागत कार्यक्रम की 1,492 तथा तहसील स्वागत कार्यक्रमकी 2,565 प्रस्तुतियों/प्रश्नों के संदर्भ में भी जिला एवं तहसील स्तर पर समाधान की कार्रवाई की गई।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के समक्ष इस राज्य स्वागत कार्यक्रम में डभोई तथा बोटाद जिलों के किसानों द्वारा की गई प्रस्तुतियों तथा सूरत जिले में गुजरात हाउसिंग बोर्ड के जर्जर मकानों के स्थान पर नए मकानों के निर्माण से संबंधित लंबे समय से लंबित प्रश्न की प्रस्तुति पर उन्होंने त्वरित एवं संवेदनशील प्रतिसाद दिया।

मुख्यमंत्री ने स्थानीय प्रशासनिक तंत्र को स्पष्ट निर्देश दिए कि डभोई नगरपालिका के गटर के पानी के कारण 33 किसानों की लगभग 150 बीघा कृषि योग्य भूमि की फसलों को नुकसान न हो तथा भूमि खराब न हो, इसके लिए तात्कालिक रूप से सायफन बनाने और नगरपालिका का एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) सुचारु रूप से कार्य करे तथा किसानों की इस दीर्घकालीन समस्या का समाधान हो।

मुख्यमंत्री के समक्ष बोटाद जिले के किसानों ने यह प्रस्तुति रखी कि गांव के तालाब की पाल की ऊंचाई बढ़ाने के परिणामस्वरूप 42 किसानों की लगभग 500 बीघा भूमि डूब में चली जाती है तथा खेतों में आवागमन का मार्ग बंद हो गया है।

श्री भूपेंद्र पटेल ने तुरंत किसान हितोन्मुखी निर्णय लेकर इस समस्या के त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभाग और स्थानीय प्रशासनिक तंत्र को निर्देश दिए।

राज्य स्वागत कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के समक्ष किसानों के इन प्रश्नों के अतिरिक्त, सूरत जिले में गुजरात हाउसिंग बोर्ड के जिन जर्जर मकानों को गिरा दिया गया है, उनके स्थान पर नए मकानों के निर्माण से संबंधित लंबे समय से लंबित प्रस्तुति भी लाभार्थियों द्वारा की गई।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इन प्रस्तुतियों के संदर्भ में गुजरात हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों को नए आवासों के निर्माण की प्रक्रिया शीघ्रता से पूर्ण करने के दिशानिर्देश भी दिए।

जनवरी -2026 के इस राज्य स्वागत में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री संजीव कुमार, अपर प्रधान सचिव डॉ. विक्रांत पांडे, सचिव श्री अजय कुमार, विशेष कार्याधिकारी श्री डी. के. पारेख, श्री राकेश व्यास तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने का उत्सव

(जीएनएस)।

भारत अपने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने का उत्सव देश भर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर सामूहिक गायन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मिलिट्री बैंड प्रदर्शन के माध्यम से मना रहा है। इस उत्सव का उद्देश्य राष्ट्रीय गौरव और एकता को बढ़ावा देना है।

इन समारोहों के एक अंग के रूप में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के 31 संगीतकारों से युक्त बैंड ने 21 जनवरी 2026 को नई दिल्ली के राजीव चौक स्थित एम्फीथिएटर में प्रदर्शन किया। 45 मिनट की इस प्रस्तुति में ब्रास, बांसुरी, स्ट्रिंग और इलेक्ट्रॉनिक वाद्ययंत्रों से ग्यारह मनमोहक धुनें प्रस्तुत की गईं। इस प्रस्तुति में 'वंदे मातरम' और 'सिंदूर' गीत, जिन्हें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता को याद करने के लिए तैयार किया गया था, प्रस्तुति के मुख्य आकर्षण रहे।

संगीत सदियों से भारतीय संस्कृति का एक अनमोल रत्न रहा है। यह भारत की समृद्ध सैन्य विरासत का भी अभिन्न अंग है, जो एकता को सुदृढ़ करता है और वीरता की प्रेरणा देता है। 1944 में अपनी स्थापना के बाद से भारतीय वायु सेना बैंड, भारतीय और पश्चिमी संगीत की विविधतापूर्ण प्रस्तुतियों के साथ, देश की सैन्य परंपरा का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। भारतीय वायु सेना बैंड का उद्देश्य अपने मनमोहक प्रदर्शनों के माध्यम से देशभक्ति की भावना को प्रेरित करना और एकता का प्रसार करना है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129 वीं जयंती मनाने के लिए संस्कृति मंत्रालय आयोजित करेगा 'पराक्रम दिवस- 2026'

भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय, भारत के सबसे सम्मानित स्वतंत्रता सेनानियों में से एक, नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन और विरासत से जुड़े देश भर के 13 अन्य प्रतिष्ठित स्थानों के साथ-साथ, 23 से 25 जनवरी 2026 तक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के श्री विजय पुरम में 'पराक्रम दिवस-2026' का आयोजन कर रहा है।

यह आयोजन नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके अद्वितीय योगदान और साहस, बलिदान एवं देशभक्ति की उनकी स्थायी विरासत को सम्मान देना है। 23 जनवरी 2026 को मुख्य समारोह श्री विजय पुरम के नेताजी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

25वां भारत रंग महोत्सव 2026: भारत के 40 स्थानों और सातों महाद्वीपों में अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) विश्व के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय रंगमंच उत्सव भारत रंग महोत्सव (बीआरएम) के 25वें संस्करण का आयोजन 27 जनवरी से 20 फरवरी 2026 तक करेगा। यह संस्करण अब तक का सबसे व्यापक, समावेशी और भव्य संस्करण होगा।

इस ऐतिहासिक संस्करण के तहत भारत रंग महोत्सव देशभर के 40 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही सातों महाद्वीपों के कम-से-कम एक-एक देश की नाट्य प्रस्तुतियां भी इसमें शामिल होंगी, जिससे इस महोत्सव की वैश्विक पहुंच और सांस्कृतिक प्रभाव और मजबूत होगा।

महोत्सव के दौरान कुल 277 भारतीय प्रस्तुतियां (जिनमें 136 चयनित नाटक और आमंत्रित प्रस्तुतियां शामिल हैं) और 12 अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तुतियां दिखाई जाएंगी। ये प्रस्तुतियां 228 भारतीय और विदेशी भाषाओं एवं बोलियों में होंगी, जो भाषाई विविधता के मामले में भारत रंग महोत्सव को दुनिया का सबसे

बड़ा थिएटर फेस्टिवल बनाती हैं।

चयनित नाटकों का चयन 817 राष्ट्रीय और 34 अंतरराष्ट्रीय आवेदनों की कड़ी स्क्रीनिंग प्रक्रिया के बाद किया गया है। इसके अलावा, देश के विभिन्न केंद्रों पर 19 विश्वविद्यालयीय प्रस्तुतियां और 14 स्थानीय प्रस्तुतियां भी शामिल की जाएंगी।

इस अवसर पर एनएसडी के उपाध्यक्ष प्रो. भरत गुप्त ने कहा,

'भारत रंग महोत्सव 2026 रंगमंच के लोकतंत्रीकरण और सार्वभौमिकता का जीवंत उदाहरण है। यह महोत्सव विभिन्न समुदायों और आयु समूहों की विविध भाषाओं, शैलियों और नाटकीय अभिव्यक्तियों के समावेश के माध्यम से भारत के साझा रचनात्मक लोकाचार को दर्शाता है।"

यह संस्करण मैथिली, भोजपुरी, तुलु, उर्दू, संस्कृत, ताई खामती, निशि जैसी भाषाओं के साथ-साथ लगभग सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं और कई जनजातीय व लुप्तप्राय भाषाओं में प्रदर्शन के साथ अपने भाषाई और सांस्कृतिक फलक का विस्तार करता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीने डोडा दुर्घटना में सैन्य कर्मियों की मृत्यु पर दुःख व्यक्त किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने डोडा में हुए दुखद हादसे में बहादुर सैन्यकर्मियों की मृत्यु पर गहरी संवेदना व्यक्त की है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि डोडा में हुए हादसे से मैं अत्यंत व्यथित हूं, जिसमें हमने अपने बहादुर सैन्यकर्मियों को खो दिया। राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा को सदैव याद रखा जाएगा।

श्री मोदी ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और कहा कि प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'डोडा में हुए हादसे से मैं अत्यंत व्यथित हूं, जिसमें हमने अपने बहादुर सैन्यकर्मियों को खो दिया। राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा को सदैव याद रखा जाएगा। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से कामना करता हूँ।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

विजिलेंस की कार्रवाई से हड़कंप, भूमि के मुआवजे के एवज में 10 हजार की रिश्वत ले रहा अमीन दबोचा

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में भ्रष्ट्राचार के खिलाफ विजिलेंस का एक्शन जारी है। उत्तरकाशी में विजिलेंस की टीम ने लोनिवि के एक अमीन को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। विजिलेंस की कार्रवाई से हड़कंप मचा हुआ है। विजिलेंस की टीम ने अभियुक्त को दबोचने के बाद कई घंटे तक पूछताछ की।

साथ ही अमीन की संपत्ति के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। बताया गया कि सड़क निर्माण के दौरान कटान की भूमि के मुआवजे के एवज में अमीन ने घूस मांगी थी। जिसकी शिकायत विजिलेंस को की गई। विजिलेंस ने जांच के बाद आरोपी को रिश्वत लेते दबोच लिया।

विजिलेंस से मिली जानकारी के अनुसार उत्तरकाशी के प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग भटवाड़ी कैंप कार्यालय में नियुक्त अमीन टिका राम नौटियाल के खिलाफ विजिलेंस को

शिकायत मिली थी। बताया जा रहा है कि अमीन शिकायतकर्ता से सड़क निर्माण के दौरान कटान हुई भूमि के मुआवजे के एवज में रिश्वत मांग रहा था, शिकायतकर्ता ने विजिलेंस में एक सूचना दी थी।

जिसमें शिकायतकर्ता ने बताया कि अमीन टिका राम नौटियाल उनसे भूमि के मुआवजे से जुड़ी फाइल को आगे बढ़ाने के एवज में रिश्वत मांग रहा है। विजिलेंस ने शिकायत पर जाल बिछाया। गुरुवार यानी 22 जनवरी को अमीन को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। विजिलेंस की टीम ने अमीन को पकडने के बाद पूछताछ की और साथ ही सभी दस्तावेज खंगाले गए। उत्तराखंड में विजिलेंस लगातार भ्रष्ट्राचार के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

रिश्वतखोर अधिकारी और कर्मचारियों को जेल के सलाखों के पीछे पहुंचाने में जुटी है। बीती 16 जनवरी को भी विजिलेंस की टीम ने हरिद्वार के जिला पूर्ति अधिकारी श्याम आर्य और उनके सहायक गौरव शर्मा को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। जो कि राशन डीलर से मांगी गई थी। इससे पहले हरिद्वार जिले के रुड़की में विजिलेंस की टीम ने सिविल अस्पताल से एक डॉक्टर को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। लगातार पूरे प्रदेश में रिश्वतखोरी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के तहत एक्शन जारी है।

शंकराचार्य श्री अविमुक्तेश्वरानंद जी पर हुए अत्याचार मामले में 'आप' प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी की प्रतिक्रिया

शंकराचार्य पर हुआ अत्याचार इखढ द्वारा हिंदू समाज और सनातन धर्म के अपमान के समान : इसुदान गढ़वी

हिंदू समाज और आम आदमी पार्टी शंकराचार्य पर हुए हमले का समर्थन नहीं करती : इसुदान गढ़वी

भाजपा हिंदुत्व के नाम पर सरकारी तंत्र द्वारा हिंसा और दबाव करती है : इसुदान गढ़वी

शंकराचार्य के सम्मान के लिए आम आदमी पार्टी की कानूनी कार्रवाई की मांग : इसुदान गढ़वी

भाजपा पार्टी नहीं, सर्टिफिकेट बेचने वाली कॉर्पोरेट कंपनी बन गई है : इसुदान गढ़वी

शंकराचार्य को स्नान करने से रोकना सनातन परंपरा का अपमान : इसुदान गढ़वी

शंकराचार्य पर हुए अत्याचार मुद्दे पर फर्र-श्लढ-बजरंग दल से आवाज उठाने की इसुदान गढ़वी की अपील

अहमदाबाद/गुजरात

आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने शंकराचार्य श्री अविमुक्तेश्वरानंदजी पर हुए अत्याचार मामले में प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा पार्टी नहीं, एक कॉर्पोरेट कंपनी है और सबको सर्टिफिकेट बेचने का ठेका ले लिया है। प्रयागराज में मौनी अमावस्या के दौरान गत 18/01/2026 को जगद्गुरु शंकराचार्य श्री अविमुक्तेश्वरानंदजी और उनके शिष्यों पर हुआ अत्याचार हिंदू समाज और सनातन धर्म के लिए चिंता का विषय है। पुलिस और प्रशासन द्वारा शंकराचार्य और उनके शिष्यों को स्नान करने से रोका गया, पालकी रोकी गई, तथा उनके शिष्यों की चोटी पकड़कर जो अत्याचार किया गया है, उससे सभी हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है। शंकराचार्य और उनके शिष्यों के साथ हुआ यह अत्याचार केवल व्यक्तिगत हमला नहीं है, बल्कि हिंदू समाज और सनातन परंपरा के सर्वमान्य मूल्यों पर किया गया घोर प्रहार है। भाजपा अब हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के नाम पर एक कॉर्पोरेट कंपनी बन गई है। भाजपा गायमाता, हिंदू संस्कृति और सनातन धर्म के नाम पर लोगों की भावनाओं से खेलने लगी है। शंकराचार्य से भी हिंदू आस्था का सर्टिफिकेट मांगते हैं ? आप कौन हैं? आप अपने राष्ट्रवाद का प्रमाण पत्र दें। आम आदमी पार्टी ने शंकराचार्य के समर्थन में विभिन्न जगहों पर विरोध दर्ज कराया है।

AAP नेता इसुदान गढ़वी ने आगे कहा कि फर्र, बजरंग दल, श्लढ से मैं निवेदन करता हूं कि हमारे शंकराचार्यों पर भाजपा अत्याचार कर रही है, तब आपको भी एकजुट होकर इस शंकराचार्यजी के समर्थन में आवाज उठानी चाहिए।

कर्तव्य पथ पर 77वें गणतंत्र दिवस परेड के दौरान पंचायती राज मंत्रालय की स्वामित्व पर आधारित झांकी होगी प्रदर्शित

नागरिकों के लिए संपत्ति के स्वामित्व के जरिए आत्मनिर्भरता एवं सम्मान की यात्रा पर डालती है प्रकाश

(जीएनएस)।

नई दिल्ली में 77वें गणतंत्र दिवस परेड के अवसर पर, इस वर्ष पंचायती राज मंत्रालय की झांकी 'स्वामित्व' योजना पर प्रकाश डालेगी, जो गणतंत्र दिवस 2026 समारोह के मुख्य विषयों— 'समृद्धि का मंत्रः आत्मनिर्भर भारत' और 'स्वतंत्रता का मंत्रः वंदे मातरम' के अनुरूप है। पंचायती राज मंत्रालय की यह झांकी 24 अप्रैल 2020 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई 'स्वामित्व' (ग्रामीण क्षेत्रों में उन्नत तकनीक के साथ गांवों का सर्वेक्षण और मानचित्रण) योजना के परिवर्तनकारी प्रभाव को प्रस्तुत करती है। यह रेखांकित करती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में आवासीय संपत्ति का कानूनी स्वामित्व किस प्रकार नागरिकों, पंचायतों और राष्ट्र के लिए सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता की नींव बनाता है।

झांकी के अगले हिस्से में, एक खुली हथेली पर टिका हुआ एक

सुनिर्मित ग्रामीण घर संपत्ति के स्वामित्व के माध्यम से प्राप्त आश्वासन और स्थिरता का प्रतीक है। 'आलता' से सजी एक महिला के हाथ के रूप में दिखाई गई हथेली, महिलाओं के सम्मान और घर के मालिकाना हक में उनके उचित स्थान को दशार्ती है। प्रवेश द्वार पर लगा एक पारंपरिक 'तोरण' समृद्धि का प्रतीक है, जबकि प्रमुखता से रखी गई घर की चाबियाँ स्वामित्व योजना के तहत कानूनी कब्जे और सशक्तिकरण का प्रतिनिधित्व करती हैं। पास में खेलते हुए बच्चे 'प्रॉपर्टी कार्ड' द्वारा सक्षम आत्मविश्वास, सुरक्षा और

मजबूत पारिवारिक नींव को दशार्ते हैं।

झांकी का मध्य भाग एक लघु ग्रामीण परिवेश के माध्यम से 'स्वामित्व' योजना के क्रियान्वयन को प्रदर्शित करता है। इसमें ड्रोन-आधारित सर्वेक्षण, चूना मार्किंग और जमीनी स्तर की गतिविधियाँ सटीक मानचित्रण और सीमाओं के निर्धारण को दशार्ती हैं। अस्पष्ट भूमि अभिलेखों से आधिकारिक डिजिटल संपत्ति मानचित्रों की ओर यह बदलाव विवादों के समाधान, पंचायत नियोजन और बेहतर आजीविका के लिए भूमि के मौद्रिकरण में सहायक है। स्वच्छ सड़कें, हरियाली, जल निकाय और घर व्यवस्थित विकास और खुशहाली की तस्वीर पेश करते हैं। पिछले हिस्से में, झांकी योजना के प्रमुख परिणामों को दशार्ती है, जैसे कि शांतिपूर्ण विवाद समाधान, 'प्रॉपर्टी कार्ड' के माध्यम से बैंक ऋण तक पहुँच और प्रभावी स्थानीय शासन के प्रतीक के रूप में एक 'पंचायत भवन'। यह झांकी एक स्पष्ट संदेश देती है। सुरक्षित मालिकाना हक परिवारों को मजबूत करता है, सशक्त पंचायतों का निर्माण करता है और एक 'आत्मनिर्भर भारत' में योगदान देता है।

ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने भारतीय डाक के विकास व कायाकल्प में तेजी लाने के लिए उच्च स्तरीय तीसरी तिमाही बिजनेस समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

(जीएनएस)।

डाक विभाग ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय संचार एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री की अध्यक्षता में वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के लिए 'त्रैमासिक बिजनेस समीक्षा बैठक' आयोजित की। इस बैठक में देशभर के वरिष्ठ अधिकारियों और सर्किलों के प्रमुखों ने हिस्सा लिया, ताकि प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों के प्रदर्शन की समीक्षा की जा सके और विकास को गति देने के लिए सुधारात्मक उपायों की पहचान की जा सके।

बैठक की शुरूआत में, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इंडिया पोस्ट ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ₹17,546 करोड़ का महत्वाकांक्षी राजस्व लक्ष्य निर्धारित किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में काफी अधिक है। उन्होंने उल्लेख किया कि इंडिया पोस्ट इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है और चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों के दौरान पहले ही ₹10,155 करोड़ प्राप्त

कर चुका है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह प्रगति इंडिया पोस्ट के पार्सल और लॉजिस्टिक्स-संचालित संगठन बनने की ओर रणनीतिक बदलाव को दशार्ती है, जो ई-कॉमर्स, एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण की बढ़ती मांगों के अनुरूप है।

बिजनेस मीट 2025-26 की तीसरी तिमाही समीक्षा बैठक में केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया और डाक विभाग की सचिव सुश्री वंदिता कौल

तीसरी तिमाही के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने गौर किया कि हालांकि समग्र विकास के रुझान सकारात्मक हैं, लेकिन मुख्य कार्यक्षेत्रों—विशेष रूप से पार्सल, मेल और अंतर्राष्ट्रीय डाक—का प्रदर्शन अपेक्षा से कम रहा है। इस बात पर जोर देते हुए कि इंडिया पोस्ट का भविष्य का विकास काफी हद तक इसके कोर लॉजिस्टिक्स इंजन की मजबूती पर निर्भर करता है, केंद्रीय मंत्री ने जोर दिया कि पार्सल और डाक सेवाओं को अब "पूरी क्षमता के साथ" काम करना शुरू करना होगा। उन्होंने केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और दिल्ली जैसे प्रमुख सर्किलों को—जो इंडिया पोस्ट के संभावित व्यवसाय का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा हैं—तत्काल सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को अपनाने का निर्देश दिया।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने सशस्त्र बलों में क्वांटम प्रौद्योगिकी के समावेशन से संबंधित पॉलिसी फ्रेमवर्क जारी किया

(जीएनएस)।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने 22 जनवरी, 2026 को सशस्त्र बलों में क्वांटम प्रौद्योगिकी के समावेशन से संबंधित पॉलिसी फ्रेमवर्क जारी किया। यह एक व्यापक नीतिगत दस्तावेज है, जिसमें सशस्त्र बलों में क्वांटम प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन हेतु नीति और रोडमैप निर्धारित किया गया है। इसका उद्देश्य क्वांटम प्रौद्योगिकी के चार प्रमुख स्तंभों क्वांटम संचार, क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम सेंसिंग एंड मेट्रोलॉजी और क्वांटम सामग्री एवं उपकरण को तीनों सेनाओं में एकीकृत करना है। इस पहल का उद्देश्य तीनों सेनाओं को भविष्य के युद्धक्षेत्र की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना और तेजी से परिवर्तित हो रहे वैश्विक परिदृश्य में तकनीकी वर्चस्व प्राप्त करना है।

इस विजन डॉक्यूमेंट में क्वांटम प्रौद्योगिकियों के एकीकरण हेतु आवश्यक तालमेल स्थापित करने,

राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के साथ सुदृढ़ संरेखण सुनिश्चित करने का स्पष्ट मार्ग परिभाषित किया गया है, जिसमें रक्षा बल एक अभिन्न घटक हैं। दस्तावेज में रक्षा बलों के भीतर इस विशिष्ट क्षेत्र के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक सांकेतिक रोडमैप और नीतिगत ढांचा भी निर्धारित किया गया है। यह विजन डॉक्यूमेंट तीनों सेनाओं के समन्वित प्रयासों के माध्यम से सशस्त्र बलों में अत्याधुनिक क्वांटम प्रौद्योगिकियों के समावेशन की ठोस आधारशिला प्रदान करेगा।

यह विजन डॉक्यूमेंट रक्षा परिप्रेक्ष्य से इन विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को आत्मसात करने की बढ़ती आवश्यकता पर बल देता है। यह असैन्य-सैन्य समेकन के माध्यम से हासिल किए जाने वाले मील के पत्थरों एवं लक्ष्यों को रेखांकित करता है, जिसमें विभिन्न सरकारी क्षेत्रों के सदस्यों से सहयोग प्राप्त समर्पित शासी निकाय शामिल हैं। यह रूपरेखा भविष्य के युद्धक्षेत्र में तकनीकी श्रेष्ठता सुनिश्चित करने हेतु इन प्रौद्योगिकियों के प्रभावी आत्मसात में संयुक्तता और एकीकरण की अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता को भी स्पष्ट रूप से उजागर करती है।

रेल-पर-ट्रकः भारतीय रेलवे के समर्पित माल ढुलाई गलियारे द्वारा संचालित एक रणनीतिक परिवहन बदलाव

सड़क दक्षता को रेल दक्षता के साथ मिलाकर; रेल-पर-ट्रक, बहु-मॉडल एकीकरण के माध्यम से लंबी दूरी के माल परिवहन को अनुकूलित करता है, उत्सर्जन, भीड़भाड़ और लॉजिस्टिक लागत को कम करता है

(जीएनएस)।

जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है और खपत में विविधता आ रही है, माल परिवहन में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे सड़क परिवहन, ईंधन उपयोग और वायु गुणवत्ता पर दबाव बढ़ा है। इसे हल करने के लिए, भारतीय रेलवे ने अपने दूरदर्शी समर्पित माल ढुलाई गलियारा (डीएफसी) पहल के माध्यम से अभिनव रेल-पर-ट्रक (टीओटी) सेवा शुरू की है। यह योजना भारतीय रेलवे की दीर्घकालिक माल परिवहन परिवर्तन रणनीति के हिस्सा के रूप में बनाई गई थी, डीएफसी नेटवर्क वह

ढांचा प्रदान करता है जो नई पीढ़ी की बहु-मॉडल लॉजिस्टिक्स को सक्षम बनाता है।

टीओटी भारतीय रेलवे के समर्पित माल ढुलाई गलियारा कार्यक्रम के तहत विकसित विद्युत रेल अवसंरचना की दक्षता और पर्यावरणीय लाभों के साथ सड़क परिवहन के लचीलेपन को जोड़ता है। इस सेवा के तहत माल से लदे ट्रकों को विशेष रूप से संशोधित फ्लैट वैगनों पर समर्पित माल ढुलाई गलियारा के माध्यम से ले जाया जाता है। ट्रक लंबे और भारी यातायात वाली राजमार्ग यात्रा से बचते हैं और मुख्य मार्ग के लिए रेल द्वारा यात्रा करते हैं। इसके बाद वे केवल प्रथम-मील और अंतिम-मील तक छोटी सड़क यात्राएं पूरी करते हैं।

किफायती लेकिन भरोसेमंद

वर्तमान में, टीओटी सेवा पश्चिमी डीएफसी नेटवर्क पर न्यू रेवाड़ी और न्यू पालनपुर के बीच संचालित होती है। जैसे-जैसे अवसंरचना का विकास होगा, इसका विस्तार अतिरिक्त खंडों तक किया जाएगा। न्यू पालनपुर-न्यू रेवाड़ी कॉरिडोर पर, यह सेवा लगभग 636 किलोमीटर तक फैली हुई है, जो सड़क मार्ग से लगभग 30 घंटे लगने वाले सफर को टीओटी सेवा के माध्यम से लगभग 12 घंटे में पूरा कर देती है।

स्वास्थ्य और किफायती इलाज का संगमः भारत एक वैश्विक चिकित्सा यात्रा गंतव्य के रूप में उभर रहा है

आयुष वीजा और आयुष गुणवत्ता मार्क सहित नीति-प्रेरित पहलें, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में भारत के नेतृत्व को आगे बढ़ा रही हैं

(जीएनएस)।

भारत मेडिकल वैल्यू ट्रैवल (एमवीटी) के लिए सबसे तेजी से बढ़ते गंतव्यों में से एक के रूप में उभर रहा है और यह विश्व स्तरीय चिकित्सा अवसंरचना, उच्च कुशल स्वास्थ्य पेशेवरों तथा किफायती उपचार को चिकित्सा की पारंपरिक प्रणालियों एवं समग्र कल्याण में देश की विशि ट क्षमता के साथ जोड़ता है।

जटिल शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं से लेकर दीर्घकालिक स्वास्थ्य उपचारों तक, भारत आज एक एकीकृत स्वास्थ्य सेवा प्रणाली प्रदान कर रहा है। यह विश् वास अंतर्रा ट्रीय मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और किफायती इलाज के लिए भारत की ओर तेजी से आकर्षित कर रहा है। भारत में वैश्विक स्तर पर मानकीकृत अस्पतालों में प्रसिद्ध विशेषज्ञों द्वारा किफायती उपचार प्रदान किए जाते हैं, जबकि पारंपरिक आयुष प्रणालियां देश के चिकित्सा पर्यटन आकर्षण में एक विशिष्ट निवारक और स्वास्थ्य संबंधी आयाम जोड़ती हैं।

वन अर्थ वन हेल्थ-एडवांटेज हेल्थकेयर इंडिया 2023 में अपने संबोधन के दौरान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन् द्र मोदी ने वैश्विक स्वास्थ्य के लिए किफायती और विश् वसनीय चिकित्सा यात्रा के महत्व का उल् लेख करते हुए कहा, 'भारत स्वस्थ पृ वी के लिए किफायती चिकित्सा यात्रा और स्वास्थ्य कार्यबल की गतिशीलता को महत्वपूर्ण मानता है।ह्व माननीय प्रधानमंत्री ने कहा, 'हजारों वर्षों से, स्वास्थ्य के प्रति भारत का दृष्टिकोण समग्र रहा है। हमारे पास निवारक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य की एक महान परंपरा है। योग और ध्यान जैसी प्रणालियां अब वैश्विक आंदोलन बन चुकी हैं। ये प्राचीन भारत की आधुनिक दुनिया को दी गई देन हैं। इसी प्रकार, हमारी आयुर्वेद प्रणाली स्वास्थ्य का एक संपूर्ण अनुशासन है। यह स्वास्थ्य के शारीरिक और मानसिक दोनों पहलुओं का ध्यान रखती है। दुनिया तनाव और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के समाधान खोज रही है। भारत की पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों में कई समाधान उपस्थित हैं। हमारा पारंपरिक आहार, जिसमें बाजरा शामिल है, खाद्य सुरक्षा और पोषण में भी सहायक हो सकता है।ह्व

वैश्विक विश्वास और गुणवत्ता आश्वासन को मजबूत करने के प्रयासों के अंतर्गत, प्रधानमंत्री श्री नरेन् द्र मोदी ने हाल ही में 19 दिसंबर 2025 को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दूसरे वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन के दौरान भारत मंडपम में 'आयुष गुणवत्ता मार्क' का शुभारंभ किया। आयुष गुणवत्ता मार्क आयुष उत्पादों और सेवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप आश्वासन प्रारूप प्रदान करता है, जिससे प्रामाणिक और मानकीकृत स् वास् थ् य देखभाल की खोज करने वाले अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों के बीच विश्वास और मजबूत होता है।

भारत के एकीकृत किफायती चिकित्सा यात्रा दृष्टिकोण को सुदृढ़ करते हुए, पारंपरिक चिकित्सा को पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों के साथ जोड़ते हैं। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने इस बात पर बल दिया कि भारत की क्षमता उसके एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल दृष्टिकोण में निहित है। मंत्री महोदय ने कहा कि किफायती चिकित्सा यात्रा केवल किफायती ही नहीं है, बल्कि विश्वास, गुणवत्ता और परिणामों से भी जुड़ी है। भारत की आयुष प्रणालियां समय-परीक्षित, साक्ष्य-आधारित समाधान प्रदान करती हैं जो पारंपरिक चिकित्सा के पूरक हैं और समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के लिए वैश्विक मांग को पूरा करती हैं।

वैश्विक रोगियों को आकर्षित करने में विश्वसनीयता और मानकीकरण के महत्व का उल् लेख करते हुए आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि वैश्विक विकास को बनाए रखने के लिए विश्वसनीयता और मानकीकरण महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि पारंपरिक और स्वास्थ्य-आधारित देखभाल में बढ़ती अंतरराष्ट्रीय रुचि को देखते हुए भारत गुणवत्ता आश्वासन, डिजिटल सुविधा और अंतरराष्ट्रीय मानकों के माध्यम से अपने मेडिकल वैल्यू ट्रैवल ढांचे को मजबूत कर रहा है। यह एकीकृत दृष्टिकोण भारत को एक विश्वसनीय वैश्विक स्वास्थ्य सेवा गंतव्य के रूप में स्थापित कर रहा है।

आंकड़े इस बढ़ती गति को दशार्ते हैं। भारत आने वाले अंतरराष्ट्रीय रोगियों की संख्या 2020 में 1,82,945 से बढ़कर 2024 में 6,44,387 हो गई। हाल के वर्षों में, योग, आयुर्वेद और स्वास्थ्य-आधारित चिकित्सा पद्धतियों ने इस वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे भारत समग्र, साक्ष्य-आधारित देखभाल के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित हो चुका है।

सीएक्यूएम ने एक्यूआई में सुधार को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर से चरण-3 के प्रतिबंध हटाए

(जीएनएस)।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) पर उपसमिति ने हवा की क्वालिटी में सुधार और मौसम के सकारात्मक रुझानों के मद्देनजर दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में चरण-3 के प्रतिबंधों को 22 जनवरी 2026 को तुरंत प्रभाव से हटाने का फैसला किया।

उपसमिति ने दिल्ली के औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में गिरावट के बाद 16.01.2026 को ग्रैप का चरण-3 लागू कर दिया था। इसके बाद दिल्ली की वायु गुणवत्ता में बेहतरी का रुझान देखने को मिला। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के दैनिक एक्यूआई बुलेटिन के अनुसार दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार सुधरते हुए 20.01.2026 को 378 से घट कर 21.01.2026 को 330 और 22.01.2026 को 322 हो गया। सुधार के इस रुझान तथा भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के वायु गुणवत्ता और मौसम के अनुमानों को देखते हुए सीएक्यूएम की उपसमिति ने आज अपनी बैठक में स्थिति की समीक्षा की।

उपसमिति ने इस बात पर गौर किया कि दिल्ली में एक्यूआई मौसम की अनुकूल स्थितियों की बदौलत सुधर रहा है। आईएमडी और आईआईटीएम के अनुमानों के अनुसार अगले कुछ दिनों में एक्यूआई 'मध्यम' से 'खराब' श्रेणी में रहेगा। ग्रैप के चरण-3 के प्रतिबंध बड़ी संख्या में हितधारकों और आम नागरिकों को प्रभावित करते हैं। इन प्रतिबंधों की अवरोधक प्रकृति को देखते हुए ग्रैप पर सीएक्यूएम की उपसमिति ने समूचे दिल्ली-एनसीआर में मौजूदा कार्यक्रम के चरण-3 के तहत सभी कदमों को तुरंत प्रभाव से हटाने का फैसला किया।

ग्रैप के मौजूदा कार्यक्रम (नवंबर, 2025) के अंतर्गत चरण-2 और चरण-1 के सभी उपाय समूचे दिल्ली-एनसीआर में लागू रहेंगे। संबंधित एजेंसियां इनका क्रियान्वयन, निगरानी और समीक्षा करेंगी ताकि आने वाले दिनों में वायु की गुणवत्ता में गिरावट नहीं आए। एजेंसियां चरण-2 और चरण-1 के अंतर्गत उपायों के अमल पर कड़ी नजर रखते हुए उन्हें सख्ती से लागू कराएंगी ताकि दिल्ली-एनसीआर में चरण-3 के प्रतिबंध फिर से लागू करने की जरूरत नहीं पड़े।

भवन निर्माण और गिराने वाले परियोजना स्थल आदि, जिन्हें विभिन्न वैधानिक निदेशों, नियमों, दिशा-निदेशों आदि के उल्लंघन/गैर-अनुपालन के कारण विशेष रूप से बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं, वे किसी भी परिस्थिति में, आयोग के विशिष्ट आदेश के बिना अपना संचालन फिर से शुरू नहीं करेंगे।

हालांकि ग्रेप के तीसरे चरण को हटाया जा रहा है, लेकिन सर्दियों के मौसम को देखते हुए जब मौसम की स्थिति हमेशा अनुकूल नहीं हो सकती है और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का स्तर और खराब न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए नागरिकों से अनुरोध है कि वे ग्रेप की वर्तमान अनुसूची के चरण-क्क और चरण-क के तहत नागरिक चार्टर का सख्ती से पालन करें।

उप-समिति वायु गुणवत्ता के हालात पर पैनी नजर रखेगी और दिल्ली में वायु गुणवत्ता तथा भारतीय आईएमडी/आईआईटीएम द्वारा उपलब्ध कराइ गई मौसम संबंधी जानकारी एवं एक्यूआई के पूवार्नुमान के आधार पर, आगे के उचित निर्णयों के लिए समय-समय पर स्थिति की समीक्षा करेगी।

ग्रेप की वर्तमान अनुसूची (नवंबर 2025) आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

युद्धों को सुलझाने में मदद के लिये शांति बोर्ड

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में स्थायी शांति स्थापित करने और वैश्विक स्तर पर संघर्षो का समाधान करने की दिशा में काम करने के लिए स्विट्जरलैंड के शहर दावोस में बृहस्पतिवार को शांति बोर्ड का घोषणा पत्र लांच करते हुए कहा कि यह बोर्ड संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर न मात्र पामि एशिया में बल्कि अन्य जगहों पर भी युद्धों को सुलझाने में मदद कर सकता है।

राष्ट्रपति ट्रंप की प्रवृत्ति को देखते हुए यह बोर्ड वुछ भी हो सकता है किन्तु शांति के लिए कितना काम करेगा, इस पर तो विवाद रहेगा ही।

राष्ट्रपति ट्रंप खुद ही न मात्र शांति के दुश्मन हैं बल्कि वह उन देशों के हितैषी हैं जो आतंकवाद के प्रयोजक, रक्षक और पोषक हैं तथा शांति के दुश्मन हैं। ट्रंप ने इस शांति बोर्ड में पाकिस्तान जैसे दुष्ट देश को रखा है जिसकी सेना ने अपने पड़ोसियों को तंग करने के लिए अपनी सुरक्षा नीति को ही आतंकी बना रखा है।

जो देश इस शांति बोर्ड में शामिल हो चुके हैं उनमें अजेर्टीना, आम्रेनिया, अजरबैजान, बहरीन, बेलारूस, मिरत्र, हंगरी, कजाकिस्तान, मोरक्को, पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और वियतनाम शामिल हैं। ये देश हमास के हथियार छीनेंगे और उसे किसी भी राजनीतिक गतिविधि में शामिल होने से रोवेंगे। दूसरी तरफ दुनिया के वे देश जो न सिर्प रक्षा क्षेत्र में मजबूत हैं बल्कि आर्थिक ताकत हैं उन्होंने ट्रंप के निमंत्रण पर विशेष ध्यान न देते हुए इस बोर्ड की सार्थकता के प्रति ही अपना विश्वास व्यक्त नहीं किया। इसलिए भारत के अलावा प्रंस, ब्रिटेन, चीन, जर्मनी और कई अन्य महत्वपूर्ण देश अनावरण समारोह में शामिल नहीं हुए। पाकिस्तान, सऊदी अरब, यूएई, अजरबैजान जैसे मुस्लिम देशों की तो मजबूरी है कि वे गाजा की शांति प्रव्रिया में शामिल हों ताकि उनकी इस्लामिक राजनीति की प्रसंगिकता बनी रहे। किन्तु जो भी देश समझ का परिचय देंगे वे इस तरह के संवेदनशील मुद्दे पर आंख मूंद कर ट्रंप जैसे अविश्वसनीय व्यक्ति पर विश्वास करने की गलती नहीं करेंगे। दुनिया यदि संयुक्त राष्ट्र संघ की वैकल्पिक संस्था शांति बोर्ड को मानने को तैयार हो जाए तो आखिर दो संस्थाओं की जरूरत ही क्या है? यूएन तो वैसे ही अप्रसंगिक संस्था हो चुका है ऐसे में उस देश की चौधराहट में शांति बोर्ड क्या भूमिका निभाएगा जो राजनीतिक रूप से स्थिर देशों को अस्थिर एवं शांति व समृद्ध देशों को मात्र अपने स्वार्थ के लिए अशांत और दरिद्र बनाने का षडांत्र करता है. किसी देश के चुने हुए राष्ट्रपति को अगवा करने वाला व्यक्ति शांति के प्रति कितना समर्पित होगा, इसका आंकलन बड़ी आसानी से लगाया जा सकता है।

सच तो यह है कि ट्रंप हमेशा सभी राष्ट्राध्यक्षों को पहले सुगर कोटेड जहरीली गोली देते हैं लेकिन जब उनका षडांत्र सफल नहीं होता तब वह धमकी देने पर उतर आते हैं। लेकिन यदि किसी देश का शासनाध्यक्ष उनकी धमकी को गंभीरता से नहीं लेता तो वह वुटिलता पर उतर आते हैं और उस नेता को बदनाम करने के उद्देश्य से गोपनीय वाताओं को तोड़- मरोड़ कर मीडिया में लीक कर देते हैं या सार्वजनिक कर देते हैं।

बहरहाल शांति के प्रति समर्पण यदि ट्रंप का संकल्प है तो इसका मतलब है कि वह ढोंग कर रहे हैं। इस तरह के शांति बोर्ड की स्थापना करना मात्र यूएनओ का ही दायित्व है। इसलिए लगता नहीं कि यूएनओ की भूमिका ट्रंप का शांति बोर्डा निभा पाएगा। ट्रंप ने दिखावे के लिए शांति बोर्ड का गठन किया है। ट्रंप का उद्देश्य है कि किसी तरह शांति नोबेल पुरस्कार प्रप्त कर लें, भले ही उन्हें इसके लिए अपने स्वाभाविक चरित्र के प्रतिवूल दिखावा ही न करना पड़े। यह संतोष का विषय है कि भारत तो ट्रंप के हर कदम का सही मूल्यांकन करता ही है, साथ ही उसने शांति बोर्ड में शामिल होने की जल्दबाजी से बचा रहा।

गणतंत्र दिवस 2026: डीआरडीओ कर्तव्य पथ और भारत पर्व में अपने पथ-प्रदर्शक नवाचारों का प्रदर्शन करेगा

(जीएनएस)।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) कर्तव्य पथ और भारत पर्व 2026 में 77वें गणतंत्र दिवस परेड के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अपने कुछ पथ-प्रदर्शक नवाचारों का प्रदर्शन करेगा। ये प्रणालियां हैं: लंबी दूरी की एंटी-शिप हाइपरसोनिक मिसाइल (एलआर-एएसएचएम) और डीआरडीओ झांकी- 'कॉम्बैट सबमैनिन्स के लिए नौसेना प्रौद्योगिकियां'।

कर्तव्य पथ पर एलआर-एएसएचएम

डीआरडीओ परेड के दौरान लॉन्चर के साथ एलआर-एएसएचएम का प्रदर्शन करेगा। इस हथियार प्रणाली को भारतीय नौसेना की तटीय बैटरी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। एलआर-एएसएचएम एक हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल है जो स्थिर और गतिशील लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है और इसे विभिन्न पेलोड ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह मिसाइल स्वदेशी एवियोनिक्स सिस्टम और उच्च सटीकता सेंसर पैकेज के साथ अपनी तरह की पहली मिसाइल है।

यह हाइपरसोनिक मिसाइल मैक 10 से शुरू होने वाली हाइपरसोनिक गति के साथ एक अर्ध-बैलिस्टिक प्रक्षेपवक्र का अनुसरण करती है और कई स्किप के साथ औसत मच 5.0 को बनाए रखती है। टर्मिनल चरण में गतिशील लक्ष्यों को भेदने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित सेंसर प्रदान किए जाते हैं। चूंकि यह मिसाइल कम ऊंचाई पर तेज गति और गतिशीलता के साथ उड़ती है, इसलिए दुश्मन के जमीन और जहाज आधारित रडार इस मिसाइल के अधिकांश प्रक्षेपवक्र के दौरान इसका पता नहीं लगा सकते हैं।

एलआर-एएसएचएम को दो चरण ठोस प्रणोदन रॉकेट मोटर प्रणाली के साथ कॉन्फिगर किया गया है। ये प्रणोदन प्रणालियाँ मिसाइल को आवश्यक हाइपरसोनिक वेगों तक बढ़ाती हैं। वाहन के खर्च होने के बाद उसके स्टेज-1 को अलग कर दिया जाता है। स्टेज- क्क बर्नआउट के बाद, वाहन लक्ष्य को भेदने से पहले वातावरण में आवश्यक युद्धाभ्यास के साथ एक बिना शक्ति वाला ग्लाइड

करता है।

भारत पर्व में डीआरडीओ की झांकी

इस वर्ष, डीआरडीओ की झांकी 26 से 31 जनवरी, 2026 तक लाल किले के भारत पर्व में प्रदर्शित की जाएगी। झांकी का विषय 'लड़ाकू पनडुब्बियों के लिए नौसेना प्रौद्योगिकियां' है, जो स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकियों/प्रणालियों को प्रदर्शित करेगा जो भारतीय नौसेना की पारंपरिक पनडुब्बियों के लिए बल गुणक के रूप में कार्य करती हैं। ये प्रणालियां इंटीग्रेटेड कॉम्बैट सूट (आईसीएस), वायर गाइडेड हैवी वेट टॉरपीडो (डब्ल्यूजीएचडब्ल्यूटी) और एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन हैं जो पानी के नीचे के क्षेत्र में युद्ध वर्चस्व सुनिश्चित करेंगी।

आईसीएस पानी के नीचे युद्ध और पनडुब्बी रोधी अभियानों के लिए महत्वपूर्ण नई पीढ़ी की पनडुब्बी आधारित रक्षा प्रणाली है। यह प्रणालियों की एक प्रणाली है जो हथियार चयन, लॉन्च और मार्गदर्शन जैसे सामरिक निर्णय और कार्यों को करने के लिए खतरे की तस्वीर प्रदान करके अद्वितीय स्थितिजन्य जागरूकता देती है। आईसीएस पूरे भारत में लगभग 150 प्रमुख उद्योग भागीदारों और एमएसएमई की सक्रिय भागीदारी के साथ डीआरडीओ की आठ प्रयोगशालाओं का एक सहयोगात्मक प्रयास है।

डब्ल्यूजीएचडब्ल्यूटी समुद्री जल में समकालीन जहाज और पनडुब्बी खतरों का मुकाबला करने के लिए एक अत्याधुनिक पनडुब्बी द्वारा प्रक्षेपित टारपीडो है। इसे पनडुब्बी रोधी युद्ध के परिदृश्य में एक घातक हथियार माना जाता है और यह सभी पनडुब्बियों का प्राथमिक हथियार है। भारतीय नौसेना देश भर में समुद्र के विशाल हिस्से में ब्लू वाटर नौसैनिक युद्ध और रणनीतिक लाभ में प्रभुत्व बनाए रखने के लिए अपने पनडुब्बी बेड़े का लगातार विस्तार कर रही है। इसे प्राप्त करने के लिए, इसे उच्च गति और सहनशक्ति के साथ स्वदेशी रूप से विकसित पनडुब्बी लॉन्च एंटी-शिप, एंटी-सबमरीन हैवीवेट टॉरपीडो की आवश्यकता है।

एआईपी पनडुब्बियों के लंबे समय तक पानी के नीचे सहनशक्ति के लिए है, इस प्रकार स्टील्थ को बढ़ाता है। यह स्थानीय रूप से विकसित फॉस्फोरिक एसिड ईंधन सेल द्वारा संचालित है जिसमें एक नया ऑनबोर्ड हाइड्रोजन जनरेटर है। एआईपी प्रणाली हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को खिलाकर फॉस्फोरिक एसिड ईंधन कोशिकाओं का उपयोग करके बिजली उत्पन्न करती है। कंडीशनिंग के बाद ईंधन सेल जनित बिजली पनडुब्बी बिजली लाइन के ऊपर खिलाया जाता है और पनडुब्बी बिना कोई शोर किए चुपचाप पानी के नीचे चलती है। इस प्रकार विकसित की गई तकनीक

भारतीय वायु सेना ने गणतंत्र दिवस 2026 के प्रेस पूर्वावलोकन में युद्धक क्षमता, वीरतापूर्ण धुनों और पूर्व सैनिकों की विरासत की झलक पेश की

(जीएनएस)।

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने आज, 22 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस परेड (आरडीपी) के लिए अपना प्रेस पूर्वावलोकन आयोजित किया। इस दौरान कर्तव्य पथ पर होने वाले राष्ट्रीय समारोहों के मुख्य आकर्षणों—मार्चिंग दस्ते, पूर्व सैनिकों की झांकी और फ्लाईपास्ट का विस्तृत विवरण साझा किया गया।

मीडिया को जानकारी देते हुए भारतीय वायु सेना ने कहा कि गणतंत्र दिवस परेड राष्ट्रीय एकता का एक शक्तिशाली प्रतीक है, जो भारत की सैन्य शक्ति और तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करता है। भारतीय वायु सेना के आदर्श वाक्य "नभः स्पृशं दीप्तम" के अनुरूप, परेड के सभी घटक राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के साथ-साथ देश की सीमाओं की रक्षा के प्रति वायु सेना की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करेंगे।

इस वर्ष भारतीय वायु सेना, गणतंत्र दिवस समारोह से जुड़े सभी औपचारिक कार्यक्रमों के संचालन के लिए लीड सर्विस की भूमिका निभा रही है। गणतंत्र दिवस परेड के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित होने वाला भव्य गार्ड ऑफ ऑनर, जहाँ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी शहीद नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, उसका नेतृत्व स्क्वाड्रन लीडर हेमंत सिंह कात्याल द्वारा किया जाएगा।

मीडिया ब्रीफिंग की शुरूआत भारतीय वायु सेना के मार्चिंग दस्ते के परिचय के साथ हुई, जो परंपरा और आधुनिकता के एक विशिष्ट संगम का प्रतिनिधित्व करेगा। सेना की विभिन्न इकाइयों से अपनी उत्कृष्ट सैन्य मुद्रा के आधार पर चुने गए 144 युवा वायु योद्धाओं से बना यह दस्ता, गर्व और

गौरव की विरासत को सम्मानित करने के साथ-साथ भारतीय वायु सेना के मूल मूल्यों को दृढ़ता से बनाए रखने के लिए हफ्तों के कठोर प्रशिक्षण से गुजरा है। भारतीय वायु सेना के इस मार्चिंग दस्ते का नेतृत्व स्क्वाड्रन लीडर जगदीश कुमार कर रहे हैं, जिनके साथ स्क्वाड्रन लीडर निकिता चौधरी, फ्लाइट लेफ्टिनेंट प्रखर चंद्राकर और फ्लाइट लेफ्टिनेंट दिनेश सुपरन्यूमेररी अधिकारियों के रूप में शामिल हैं।

भारतीय वायु सेना बैंड, जिसका नेतृत्व सार्जेंट चार्ल्स एंटनी डेनियल करेंगे, मार्चिंग दस्ते का उत्साहवर्धन करेगा। इस बैंड में 72 बेहतरीन म्यूज़िशियन शामिल हैं, जिनमें 57 अग्निवीरवायु और 9 महिला अग्निवीरवायु (जिन्हें पहली बार शामिल किया जा रहा है) के साथ 3 ड्रम मेजर भी हिस्सा लेंगे। जब यह बैंड राष्ट्रपति के सलामी मंच के सामने से गुजरेगा, तब यह "साउंड बैरियर" धुन बजाएगा, जो वायु सेना की बहुमुखी प्रतिभा और इसके आधुनिक स्वरूप को प्रदर्शित करेगी।

मीडिया ब्रीफिंग का मुख्य आकर्षण इस वर्ष के गणतंत्र दिवस समारोह के लिए भारतीय वायु सेना द्वारा प्रस्तुत पूर्व सैनिकों की झांकी के विषय "संग्राम से राष्ट्र निर्माण तक" का अनावरण था। झांकी के अगले हिस्से में अमर जवान ज्योति और ऐतिहासिक युद्ध मशीनों के 3ऊमॉडल प्रदर्शित किए गए हैं, जिनमें ळ-55 और विजयंत टैंक, हंटर, मिग-21, मिराज और जगुआर विमान, तथा आईएनएस मैसूर और आईएनएस राजपूत शामिल हैं। इसके साथ ही इसमें 1965 और 1971 के युद्धों और 1999 के कारगिल ऑपरेशन विजय के चित्रण भी शामिल हैं। झांकी का पिछला हिस्सा राष्ट्रीय विकास में पूर्व सैनिकों की भूमिका पर प्रकाश डालता है, जिसमें बाढ़ राहत, चिकित्सा सेवाओं, शिक्षा और 'मेक इन इंडिया' पहल में उनके स्वैच्छिक प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

मीडिया ब्रीफिंग का समापन इस वर्ष के फ्लाईपास्ट पर एक प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसमें छह अलग-अलग हवाई अड्डों से संचालित होने वाले 29 विमान शामिल होंगे। इनमें 16 लड़ाकू विमान, 4 परिवहन विमान और 9 हेलीकॉप्टर हिस्सा लेंगे। आठ अलग-अलग फॉर्मेशन में व्यवस्थित यह फ्लाईपास्ट 'ध्वज' फॉर्मेशन के साथ शुरू होगा, जिसमें चार ट्र-17 क्ष हेलीकॉप्टर राष्ट्रीय ध्वज के साथ तीनों सेनाओं के झंडे लेकर उड़ान भरेंगे। इस प्रदर्शन में राफेल, सुखोई-30 टङक मिग-29 और जगुआर विमानों की क्षमताओं को दिखाया जाएगा, जिन्हें उ-130 और उ-295 जैसे स्ट्रेटेजिक विमानों और भारतीय नौसेना के ढ-8 एयरक्राफ्ट भी शामिल होंगे। संयुक्त कौशल का प्रदर्शन करते हुए भारतीय वायु सेना के अछल टङ क्ष और भारतीय सेना के अछल हरक अपाचे तथा प्रचंड (एलएचसी) जैसे हमलावर हेलीकॉप्टर भी फ्लाईपास्ट में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण "ऑपरेशन सिंदूर" फॉर्मेशन है, जो वायु शक्ति और सटीकता का प्रदर्शन करेगा। यह भारतीय वायु सेना के इस वर्ष की थीम "अचूक, अभेद्य व सटीक" को जीवंत रूप में प्रस्तुत करेगा।

प्रेस पूर्वावलोकन ने भारतीय वायु सेना की एक युद्ध-क्षमता, सुगठित बल और राष्ट्र के एक अटल स्तंभ के रूप में उसकी स्थिति को रेखांकित किया।

सरकार ने 208 अन्य कार्बन-गहन उद्योगों के लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन गहनता लक्ष्य अधिसूचित किए

(जीएनएस)।

भारत सरकार ने कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम (सीसीटीएस) के तहत अतिरिक्त कार्बन-गहन क्षेत्रों के लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन गहनता (जीईआई) लक्ष्य अधिसूचित किए हैं। 13.01.2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार, पेट्रोलियम रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल्स, वस्त्र उद्योग और द्वितीयक एल्युमीनियम को भारतीय कार्बन बाजार (आईसीएम) के अनुपालन तंत्र के तहत लाया गया है।

इन क्षेत्रों में कुल 208 बाध्य संस्थाओं को अब निर्दिष्ट उत्सर्जन तीव्रता में कमी के लक्ष्यों को पूरा करना होगा। इस विस्तार के साथ, आईसीएम का अनुपालन तंत्र अब भारत के सबसे अधिक उत्सर्जन-गहन उद्योगों में 490 बाध्य संस्थाओं को कवर करता है। भारत सरकार ने सबसे पहले अक्टूबर 2025 में एल्युमीनियम, सीमेंट, क्लोर-अल्कली और पल्प एंड पेपर क्षेत्रों के लिए जीईआई लक्ष्य अधिसूचित किए थे, जिनमें 282 बाध्य संस्थाएं शामिल थीं।

भारत सरकार द्वारा 2023 में अधिसूचित सीसीटीएस,आईसीएम के कामकाज के लिए एक समग्र ढांचा प्रदान करता है। सीसीटीएस का मकसद कार्बन क्रेडिट प्रमाणपत्र व्यापार तंत्र के जरिए उत्सर्जन का मूल्य निर्धारण करके भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना या उससे बचना है।

सीसीटीएस दो तंत्रों के जरिए संचालित होता है: अनुपालन तंत्र और ऑफसेट तंत्र। अनुपालन तंत्र के तहत, उत्सर्जन-प्रधान उद्योगों को बाध्य संस्थाओं के रूप में नामित किया जाता है और उन्हें निर्धारित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन तीव्रता (जीईआई) लक्ष्यों को पूरा करना अनिवार्य है। जो बाध्य संस्थाएं अपने लक्ष्यों से बेहतर प्रदर्शन करती हैं, वे कार्बन क्रेडिट प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए पात्र होती हैं, जिनका वे उन बाध्य संस्थाओं के साथ आदान-प्रदान कर सकती हैं, जो अपने लक्ष्यों को पूरा करने में असमर्थ हैं।

यह प्रगति उद्योगों के साथ वर्षों के निरंतर जुड़ाव, कठोर तकनीकी मूल्यांकन और संस्थानों एवं हितधारकों के बीच समन्वित प्रयासों का नतीजा है। जैसे-जैसे क्षेत्रीय कवरेज गहराता जा रहा है और अनुपालन तंत्र परिपक्व हो रहा है, आईसीएम भारत के दीर्घकालिक जलवायु उद्देश्यों और नेट-जीरो लक्ष्य के साथ औद्योगिक विकास को संरेखित करने में केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को मूडीज द्वारा एसक्यूएस2 'बहुत अच्छी संवहनीयता गुणवत्ता रेटिंग

22 जनवरी,2026: यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के संवहनीय वित्तपोषण ढाँचे पर मूडीज रेटिंग्स द्वारा द्वितीय पक्ष राय (एसपीओ) जारी किया गया है, जिसमें बैंक को एसक्यूएस2 - 'बहुत अच्छी संवहनीयता गुणवत्ताह्व रेटिंग प्रदान की गई है. यह रेटिंग मूडीज के संवहनीयता गुणवत्ता स्कोर (एसक्यूएस) स्केल पर दूसरी सर्वोच्च श्रेणी है, जो संवहनीय एवं जिम्मेदार वित्तपोषण के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दशार्ती है.

मूडीज रेटिंग्स द्वारा प्रदान की गई द्वितीय पक्ष राय वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त बेंचमार्क है, जो संवहनीयता ढांचे की विश्वसनीयता एवं सुदृढ़ता का स्वतंत्र भरोसेमंद राय

का स्त्रोत है. यह राय निवेशकों एवं हितधारकों के लिए पारदर्शिता को और मजबूत बनाता है तथा यह पुष्टि करता है कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का संवहनीय वित्तपोषण ढाँचा अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के अनुरूप है और पर्यावरणीय एवं सामाजिक उद्देश्यों में सार्थक योगदान देता है.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अपनी मुख्य परिचालन एवं वित्तपोषण गतिविधियों में संवहनीयता को एकीकृत करने के अपने मिशन के प्रति दृढ़ है, जो समाज, पर्यावरण तथा आने वाली पीढ़ी के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन करने के दृष्टिकोण को सुदृढ़ करता है.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया देश के सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंकों में से एक है, जो नवोन्मेषी वित्तीय समाधान प्रदान करने के साथ-साथ संवहनीय विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है.

आईसीएमआर ने असम सरकार को मोबाइल स्ट्रोक यूनिट सौंपा

इससे ग्रामीण, दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के घरों तक जीवन रक्षक स्ट्रोक उपचार सुगमता से पहुंचेगा

भारत ग्रामीण क्षेत्रों में इस्केमिक स्ट्रोक से अत्यधिक ग्रसित रोगियों के उपचार के लिए आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के साथ मोबाइल स्ट्रोक यूनिट (एमएसयू) के सफल एकीकरण की रिपोर्ट करने वाला विश्व का दूसरा देश : स्वास्थ्य अनुसंधान सचिव

मोबाइल स्ट्रोक यूनिट से पूर्वोत्तर भारत में स्ट्रोक के उपचार में क्रांति, उपचार का समय 24 घंटे से घटकर अब 2 घंटे, मृत्यु दर में एक तिहाई की कमी और विकलांगता आठ गुना कम हुई

(जीएनएस)।

भारत में स्ट्रोक मृत्यु और दीर्घकालिक विकलांगता के प्रमुख कारणों में से एक है। स्ट्रोक की स्थिति में हर मिनट महत्वपूर्ण है—उपचार में देरी होने पर लगभग 1.9 बिलियन मस्तिष्क कोशिकाएं प्रति मिनट नष्ट हो जाती हैं। सही समय पर उपचार मिलने से मृत्यु और आजीवन विकलांगता में अत्यधिक कमी आ सकती है। यद्दिप, स्ट्रोक के उपचार में सबसे बड़ी चुनौती रोगियों को स्ट्रोक के लिए

तैयार अस्पताल तक पहुंचने में लगने वाला समय है।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने इस गंभीर समस्या में कमी लाने के लिए असम सरकार को दो मोबाइल स्ट्रोक यूनिट (एमएसयू) सौंपी हैं। यह दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले स्ट्रोक रोगियों के लिए अस्पतालों तक शीघ्र पहुंचने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। अब अस्पताल ही सीधे रोगियों तक पहुंचने लगे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा के मार्गदर्शन में विकसित यह पहल, सरकार की इस प्रतिबद्धता को दशार्ती है कि सबसे चुनौतीपूर्ण भौगोलिक क्षेत्रों में भी, सबसे निर्धन, वंचित और निर्बल आबादी, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं, तक उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें।

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव और आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने असम सरकार को मोबाइल स्ट्रोक यूनिट (एमएसयू) सौंपते हुए कहा, 'मोबाइल स्ट्रोक यूनिट सबसे पहले जर्मनी में विकसित की गई थीं और बाद में प्रमुख वैश्विक शहरों में इनका मूल्यांकन किया गया। भारत ने पूर्वोत्तर भारत के ग्रामीण, दूरस्थ और दुर्गम भूभागों में ऐसी यूनिटों का मूल्यांकन किया है। हम ग्रामीण क्षेत्रों में तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के रोगियों के उपचार के लिए आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के साथ एमएसयू के सफल एकीकरण की रिपोर्ट करने वाला विश्व स्तर पर दूसरा देश भी हैं।'

असम सरकार में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव एवं आयुक्त श्री पी. अशोक बाबू ने राज्य के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि 'इस हस्तांतरण से असम की आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली मजबूत होगी और राज्य में इस जीवन रक्षक सेवा की निरंतरता सुनिश्चित होगी।ह्व उन्होंने कहा कि आईसीएमआर के साथ सहयोग से स्ट्रोक रोगियों के लिए त्वरित उपचार, बेहतर समन्वय और बेहतर परिणाम संभव हुए हैं और विस्तार के लिए एक मजबूत आधार तैयार हुआ है।

एमएसयू एक चलता-फिरता अस्पताल है, जो सीटी स्कैनर, विशेषज्ञों से टेलीकंसल्टेशन, प्वाइंट-ऑफ-केयर प्रयोगशाला और रक्त के थक्के तोड़ने वाली दवाओं से सुसज्जित है। यह रोगी के घर पर या उसके आस-पास ही स्ट्रोक का शीघ्र निदान और उपचार करने में सक्षम बनाता है। यह नवोन्मेषण विशेष रूप से दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है, जहां अस्पतालों तक पहुंचने में कई घंटे लग सकते हैं। विशेषज्ञ टेलीकंसल्टेशन के माध्यम से, एमएसयू स्ट्रोक के प्रकार की शीघ्र पहचान और उपचार की त्वरित शुरूआत को संभव बनाता है-जिससे जीवन बचता है और विकलांगता को रोका जा सकता है।

पूर्वोत्तर में स्ट्रोक का प्रकोप बहुत अधिक है। दुर्गम भूभाग, लंबी दूरी और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाओं की सीमित उपलब्धता के कारण हमेशा समय पर स्ट्रोक का उपचार चुनौतीपूर्ण रहा है।

रोहित शर्मा को मिला सबसे बड़ा सम्मान! मैदान पर छक्के छुड़ाने वाले हिटमैन को अब इस नाम से पुकारेगी दुनिया

भारतीय क्रिकेट के 'हिटमैन' रोहित शर्मा के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। मुंबई के

अजिंक्य डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय ने भारतीय क्रिकेट में उनके अतुलनीय योगदान और उनके बेमिसाल नेतृत्व के लिए उन्हें मानद डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा है।

मुंबई में आयोजित विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह के दौरान रोहित शर्मा को यह सम्मान प्रदान किया गया। इस ऐतिहासिक पल के दौरान विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. अजिंक्य डीवाई पाटिल ने स्वयं रोहित को यह उपाधि दी, जिससे अब खेल जगत के इस दिग्गज के नाम के साथ 'डॉक्टर' शब्द भी जुड़ गया है।

यूनिवर्सिटी की प्रतिक्रिया

विश्वविद्यालय ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि रोहित शर्मा केवल एक क्रिकेटर नहीं, बल्कि रणनीति और धैर्य के प्रतीक हैं, जो आज की युवा पीढ़ी के लिए एक बड़ी प्रेरणा हैं। क्रिकेट के मैदान पर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और शांत कप्तानी के लिए मशहूर रोहित ने हाल के वर्षों में भारतीय टीम को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया है।

कप्तानी में टीम रही सफल

उनकी कप्तानी में भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जैसे बड़े टूर्नामेंट जीतकर दुनिया भर में तिरंगा लहराया है। हालांकि रोहित ने टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, लेकिन वनडे प्रारूप में वे अब भी टीम इंडिया की मजबूती बने हुए हैं।

फैंस को मिला झूमने का मौका

रोहित शर्मा की इस उपलब्धि ने उनके करोड़ों प्रशंसकों को जश्न मनाने का एक और मौका दे दिया है। सोशल मीडिया पर अक्सर फैंस उनकी उपलब्धियों को सेलिब्रेट करते हैं। रोहित की कप्तानी की सबसे बड़ी खासियत खिलाड़ियों पर भरोसा जताना और कठिन परिस्थितियों में टीम को एकजुट रखना रही है, जिसे अब शिक्षा जगत ने भी एक महान नेतृत्व गुण के रूप में मान्यता दी है।

श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा पर बजरंगदल की भव्य शोभायात्रा, गूंजे जय श्रीराम के नारे

खखरेरू / फतेहपुर श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर खखरेरू क्षेत्र के बसवा गांव में बजरंग दल के कार्यकताओं द्वारा भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरे गांव में श्रद्धा, आस्था और उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

शोभायात्रा की शुरूआत गांव स्थित हनुमान मंदिर से हुई, जहां सर्वप्रथम विधिवत हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इसके उपरांत शोभायात्रा बसहट बाबा मंदिर एवं प्राचीन शिव मंदिर से होते हुए गांव के प्रमुख मार्गों पर भ्रमण करती हुई आगे बढ़ी।

शोभायात्रा में शामिल राम भक्त भगवा ध्वज लेकर चल रहे थे। 'जय श्रीरामह्व के गगनभेदी जयकारों से संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। ढोल-नगाड़ों एवं धार्मिक नारों के बीच ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया, वहीं श्रद्धालुओं द्वारा आरती उतारकर राम भक्तों का अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजकों ने बताया कि श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम समाज में धार्मिक एकता, सांस्कृतिक चेतना एवं आपसी सद्भाव को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से किया गया है।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से दुर्गेश सिंह, राजू सिंह, वीरेन्द्र सिंह, श्याम सिंह, राजू गुप्ता, भीम सिंह, दीपक सिंह, बच्ची लाल, सोनू, प्रिंस एवं अभिषेक तिवारी सहित बड़ी संख्या में बजरंगदल के कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को शांतिपूर्ण एवं सफल बनाने में स्थानीय युवाओं की विशेष भूमिका रही।

महिला को डिजिटल अरेस्ट करके करोड़ों की ठगी करने वाले अन्तर्राज्यीय साइबर अपराधी पकड़े : विदेशी नंबर से फोन करके बनाते हैं शिकार

-सीबीआई और क्राइम ब्रांच के अधिकारी बनकर करते हैं डिजिटल अरेस्ट

मथुरा (जीएनएस)। थाना रिफाइनरी क्षेत्र स्थित जयपुर-बरेली हाईवे से साइबर थाना पुलिस ने अन्तर्राज्यीय साइबर अपराधियों को दबोच लिया। पकड़े गए शातिरों ने विदेशी नंबर से फोन करके एक महिला को डिजिटल अरेस्ट करने के बाद 2 करोड़ रूपए से अधिक की ठगी को अंजाम दिया था। साइबर अपराधियों ने खुद को सीबीआई और क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर पीड़ित महिला को घर में कैद होने के लिए मजबूर कर दिया था। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन एवं एसपी क्राइम अवनीश मिश्रा के पर्यवेक्षण में थाना साइबर की पुलिस टीम भोले-भाले लोगों को ठगी का शिकार बनाने वाले साइबर अपराधियों की तलाश में जुटी हुई थी। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि बरेली-जयपुर हाईवे से होकर अन्तर्राज्यीय साइबर अपराधी जाने वाले हैं। सूचना मिलते ही साइबर थाना प्रभारी रफत मजीद, इंस्पेक्टर मोहित तोमर, एसआई राजकुमार पंवार, एसआई शरद त्यागी, एसआई जितेन्द्र सिंह, मुख्य आरक्षी देवेन्द्र कुमार, अनूप कुमार, विजय सिह, अनामिका, अर्जुन सिंह, विवेक कुमार और गोविंद सिंह के साथ वहां पहुंच गए। उसी दौरान वहां होकर जा रहे अन्तर्राज्यीय कुख्यात साइबर अपराधी को रमेश उर्फ राम विश्नोई पुत्र सोहनलाल निवासी गांव सूरपुरा थाना जाम्बा जिला फलौदी (राजस्थान) हाल निवासी गली नंबर-4 प्रेमनगर सहारनगर थाना डीगाड़ी जिला जोधपुर (राजस्थान), राहुल मगलानी पुत्र टीकम मंगलानी निवासी सेक्टर-4 आर आवास विकास कॉलोनी बोदला थाना जगदीशपुरा जिला आगरा, हाल निवासी फ्लैट नंबर 508, सतलज-5 गणपति स्मार्ट सिटी वाहेपुर थाना सिकंदरा जिला आगरा, लक्ष्य अग्रवाल पुत्र धीरज अग्रवाल निवासी एफ-146 आवास विकास कॉलोनी सेक्टर-6 थाना जगदीशपुरा जिला आगरा, पुनीत सोलंकी पुत्र रामशरण सोलंकी निवासी मोहल्ला बीज का थोक सहारा थाना किरावली जिला आगरा और एक महिला को घेराबंदी करके पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिर साइबर अपराधियों के कब्जे से साइबर ठगी में प्रयुक्त 9 मोबाइल, 9 सिम कार्ड, 9 एटीएम कार्ड, 3 पेनकार्ड, 2 आधार कार्ड और विभिन्न 11 बैंक खातों का विवरण बरामद किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसपी क्राइम अवनीश मिश्रा ने बताया कि पकड़े गए शातिरों से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि वह साइबर गैंग में सक्रिय रूप स्वीकार करते बताया कि वह गैंग लीडर एमडी विश्नोई के साथ मिलकर योजना बनाकर हांगकांग के मोबाइल नंबर से पीड़िता को फोन करके डिजीटल अरेस्ट कर लिया था। उन्होंने बताया कि पकड़े गए शातिरों ने विगत 23 दिसंबर को पीड़िता साइबर थाने में शिकायत करते हुए बताया था साइबर अपराधियों ने उसे फोन करके खुद को सीबीआई और क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर डरा-धमका कर डिजिटल अरेस्ट करके मनी लॉन्ड्रिंग में पीड़िता का आधार कार्ड और सिमकार्ड का इस्तेमाल करने की धमकी देकर बैंक खातों की जांच करने के नाम पर डिजिटल अरेस्ट कर लिया था और फर्जी नोटिस भेजकर बैंको में जमा पैसे की जांच की बात कहकर 2 करोड़ 4 लाख रुपए की ठगी कर ली थी। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

ब्रजवासी सेवा समिति का 14-वां शपथ ग्रहण धूमधाम से हुआ सम्पन्न

मुकेश अग्रवाल ने अध्यक्ष और अनूप ने ली मंत्री पद की शपथ

मथुरा (एजेंसी)। बृजवासी सेवा समिति का 14-वां शपथ ग्रहण समारोह भव्य तरीके से सम्पन्न किया गया। जानकारी के अनुसार ब्रजवासी सेवा समिति का 14-वां शपथ ग्रहण समारोह में अध्यक्ष पद पर मुकेश अग्रवाल और मंत्री पद पर अनूप अग्रवाल को शपथ दिलाई गई। वहीं समिति का वार्षिक सर्वोच्च पुरस्कार मोर पंख वरिष्ठ सदस्य राजेंद्र अग्रवाल को दिया गया। इस अवसर पर समिति से तीन दर्जन नए सदस्यों को जोड़कर शपथ दिलाई गई। देर रात तक चले कार्यक्रम में पुरुष, महिला और बच्चों के आकर्षक खेल, ढेरों उपहार और नाच, गाने का कार्यक्रम चलता रहा। इसी के साथ लकी ड्रॉ पुरस्कार रितेश शालिनी टैंट वालों द्वारा जीता गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समिति के संस्थापक शशिभानु गर्ग, अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल और मंत्री अनूप अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस मौके पर मौजूद सदस्य परिवारों को संबोधित करते हुए समिति के संस्थापक शशिभानु गर्ग ने कहा कि अपनी गौरवशाली संस्कृति से दूर भागते परिवारों को अपने रीति-रिवाज तथा

संस्कृति से जुड़े रखने के लिए समिति का गठन किया गया था। उन्होंने कहा कि आज समिति शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बहुत काम कर रही है। कहा कि संस्कृति से दूर भारतीय संस्कृति के अनुरूप हर बार त्यौहारों से आने वाली पीढ़ी को परिचित कराने के लिए समिति निरंतर कार्य कर रही है। राष्ट्रगान से प्रारंभ हुए कार्यक्रम में सर्वप्रथम निवृतमान मंत्री दीपक सुतिया ने वर्ष 2025 के अपने कार्यकाल की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की और अध्यक्ष मनोज अग्रवाल व मंत्री दीपक सुतिया द्वारा अपने कार्यकाल के सहयोगियों का सम्मान कर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए तथा समिति का वार्षिक सर्वोच्च सम्मान मोर पंख पुरस्कार के रूप में प्रशस्ति पत्र एवं दुशाला उड़ाकर वरिष्ठ सदस्य राजेंद्र अग्रवाल को सम्मानित किया। वहीं समिति संस्थापक शशि भानु गर्ग द्वारा नवीन सत्र 2026 के लिए मुकेश अग्रवाल को अध्यक्ष, विनोद अग्रवाल व सुनील सुतिया को उपाध्यक्ष, अनूप अग्रवाल को मंत्री, आशीष गर्ग को उप मंत्री, संदीप अग्रवाल को कोषाध्यक्ष, मुकेश अग्रवाल को प्रचार मंत्री और पंकज अग्रवाल को ऑडिटर पद की शपथ दिलाई गई। इस वर्ष समिति से जुड़े तीन दर्जन नए सदस्यों को भी सदस्यता की शपथ दिलाने के साथ सभी नए सदस्य परिवारों का पटुका उड़ाकर स्वागत किया। देर रात तक चले संस्था के कार्यक्रम में विभिन्न खेल, हास परिहास और नाच, गाने की श्रृंखला की बीच विभिन्न आकर्षक उपहार भी भेंट किए गए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मनोज मीनू, अमित विनीता, दीपक मोहिनी, बृजेश प्रियंका, संजय सजनी, अमित राखी, पराग अंजलि, सचिन रति, गगन प्राची, दिनेश निशा, मनोज जया, कृष्ण गोपाल बबीता, मनोज लता, गिरधारी लक्ष्मी, अंकित आकांक्षा, आशीष रेखा, विजय नीलम, दीपक आरती दीपक ज्योति, दिनेश विजयलक्ष्मी, गौरव अलका, गौरव गीता, गिरधारी लक्ष्मी, हरिदास कविता, जगत बहादुर सुमन, जितेंद्र बरखा, जुगलकिशोर कृतिका, कमल अनुपम, मनोज रितु, मंतोष रचना, मोहन काजल, पंकज रेनू, राजेश अलका, रमन बिनू, रिंकेश तुलसी, सचिन निधि, शुभम रोमीका, वेद वंदना, विशाल मनीषा, दिनेश ज्योति, पवन नैना और धीरज योगिता आदि उपस्थित रहे।

चोरी के तांबा समेत दो शातिरों को पुलिस ने दबोचा

मथुरा (जीएनएस)। थाना छाता क्षेत्र स्थित भोलेबाबा फैक्ट्री के पास से पुलिस ने दो शातिर चोरों को दबोच लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी छाता कमलेश सिंह, सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा और कस्बा चौकी प्रभारी राहुल चौधरी पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि भोले बाबा फैक्ट्री के पास दो चोर खड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कमलेश सिंह, सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा और कस्बा चौकी प्रभारी राहुल चौधरी पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे शातिर चोर चंदन पुत्र कमल सिंह निवासी आजल सौंख थाना मगोर्रा और देशराज उर्फ कलुआ पुत्र रंधीर निवासी नवीन कॉलोनी सौंख थाना मगोर्रा को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिरों के कब्जे से चोरी का 100 किलो तांबा का स्क्रैप बरामद किया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

मांट पुलिस ने पकड़े दो बदमाश : चोरी की बैट्री, अवैध हथियार और बुलेरो बरामद

मथुरा (एजेंसी)। थाना मांट क्षेत्र स्थित लड्डूगोपाल आश्रम के पास से पुलिस ने पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी मांट जसवीर सिंह और एसआई आकाश चौहान पुलिस टीम के साथ संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली दो बदमाश चोरी का माल बेचने की फिराक में लड्डूगोपाल आश्रम गौशाला के पास खड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी जसवीर सिंह और एसआई आकाश चौहान वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे शातिर बदमाश पवन पुत्र सोनू सिंह निवासी जीवनपुर थाना इगलास जिला अलीगढ़ और सिद्धार्थ उर्फ कान्हा पुत्र रुपेन्द्र निवासी नीमगांव रेलवे स्टेशन के पास थाना गोवर्धन को घेरकर पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिरों के कब्जे से चोरी की गईं ई-रिक्शा की 3 बैटरी, घटना में प्रयुक्त बुलेरो कार और एक तमंचा बरामद हुआ है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

एमएसडीई ने व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में सहयोग गहरा करने के लिए विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के साथ ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

(जीएनएस)।

कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में बहुपक्षीय सहयोग को गहरा करने की दिशा में भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने भारत के कौशल और तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टीवीईटी) पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर सहयोग करने के लिए विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से, एमएसडीई विश्व आर्थिक मंच के साथ सहयोग करेगा ताकि भारत में एक कौशल त्वरक (स्किल्स एक्सीलरेटर) लॉन्च और लागू किया जा सके, जो एक बहु-हितधारक मंच है जो कार्यबल में महत्वपूर्ण कौशल अंतराल को संबोधित करने के लिए नवीन समाधानों और सार्वजनिक-निजी साझेदारियों की पहचान, विस्तार और त्वरण करने का उद्देश्य रखता है। त्वरक भारत के तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टीवीईटी) पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के प्रयासों का समर्थन करेगा, जिससे कौशल पहलों और उद्योग तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकसित होती मांगों के बीच निकट संरेखण सुनिश्चित होगा।इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, कौशल विकास एवं उद्यमिता के स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री तथा भारत सरकार के शिक्षा मंत्री श्री जयंत चौधरी ने कहा, 'भारत के कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को कार्य के भविष्य के साथ संरेखित करने का जो रणनीतिक दृष्टिकोण शुरू हुआ था, वह अब एक संरचित और वैश्विक रूप ले चुका है। विश्व आर्थिक मंच के साथ साझेदारी में भारत कौशल त्वरक का औपचारिकीकरण एक भविष्य-तैयार, वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी कार्यबल निर्माण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। सरकार, उद्योग और शिक्षा को एक साथ लाकर, यह पहल वर्तमान और उभरते कौशल अंतराल को संबोधित करने, परिणाम-आधारित कौशल वित्तपोषण को सक्षम करने तथा आजीवन सीखने और वैश्विक श्रम-बाजार मांग के साथ संरेखण को बढ़ावा देने के लिए समन्वित कार्रवाई को मजबूत करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और विजन इंडिया@2047 के अनुरूप, यह समावेशी विकास और राष्ट्रीय परिवर्तन का केंद्रीय स्तंभ बनाते हुए कौशल को मजबूत करता है।ह्व

इस घोषणा पर टिप्पणी करते हुए, शिक्षा के राज्य मंत्री श्री सुकांता मजूमदार ने कहा, 'कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय और विश्व आर्थिक मंच के बीच भारत में कौशल त्वरक लॉन्च करने के लिए ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर का मैं हार्दिक स्वागत करता हूं। यह सहयोग राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के दृष्टिकोण को पूरक बनाता है, जिसमें शिक्षा को कौशल के साथ एकीकृत करना, आजीवन सीखने को बढ़ावा देना तथा पाठ्यक्रम को भविष्य की उद्योग आवश्यकताओं के अनुरूप संरेखित करना शामिल है।यह पहल भारत को महत्वपूर्ण कौशल अंतराल को पाटने, हमारी युवा पीढ़ी की वैश्विक रोजगारशीलता को बढ़ाने तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा, रोबोटिक्स और उन्नत विनिर्माण जैसे उभरते क्षेत्रों के अनुरूप भारत के प्रतिभा पूल को सुनिश्चित करने के माध्यम से काफी लाभ पहुंचाएगी। उद्योग-लिंक्ड प्रशिक्षण, योग्यताओं की पारस्परिक मान्यता तथा कौशल के लिए नवीन वित्तपोषण को बढ़ावा देकर, यह साझेदारी हमारे टीवीईटी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेगी, समावेशी विकास का समर्थन करेगी तथा विकसित भारत @2047 की यात्रा में भारत को कुशल जनशक्ति और नवाचार का वैश्विक केंद्र बनाएगी।ह्व

संजीव बजाज, इंडिया स्किल्स एक्सेलरेटर के सह-अध्यक्ष तथा बजाज फिनसर्व लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ने कहा, 'इंडिया स्किल्स एक्सेलरेटर पहल भारत की दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। कार्य के भविष्य पर वैश्विक अंतर्दृष्टि को भारत की प्रतिभा पूल के साथ जोड़ना उत्पादकता, नवाचार और समावेशी विकास का समर्थन करने वाली स्केलेबल, उद्योग-अनुरूप कौशल वास्तुकला का निर्माण करेगा। 25 वर्ष से कम आयु के 500 मिलियन से अधिक लोगों के साथ, भारत के युवाओं को कौशल प्रदान करना हमारी जनसांख्यिकीय लाभ को आर्थिक नेतृत्व में बदलने का केंद्र बिंदु है।

बजाज फिनसर्व में, कौशल हमारी सामाजिक प्रतिबद्धता का एक मूल स्तंभ है जो समूह के 5,000 करोड़ रुपये के बजाज बियॉन्ड सीएसआर कार्यक्रम के तहत है। मानव पूंजी में निरंतर निवेश प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए महत्वपूर्ण होगा।ह्व'भारत का कार्यबल लाभ पैमाने को कौशल के साथ जोड़ने में निहित है। इंडिया स्किल्स एक्सेलरेटर नीति और व्यवहार के बीच की कड़ी को मजबूत करता है—उद्योग, शिक्षाविदों और नवप्रवर्तकों को जुटाकर उभरती कार्यबल आवश्यकताओं को तैनात करने योग्य कौशल और टिकाऊ नौकरियों में बदलना।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के साथ साझेदारी में, यह भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए विश्वसनीय, भविष्य-तैयार प्रतिभा योगदानकर्ता के रूप में स्थापित करता है,ह्व इंडिया स्किल्स एक्सेलरेटर की सह-अध्यक्ष, अपोलो हेल्थ कंपनी की कार्यकारी अध्यक्ष तथा अपोलो हॉस्पिटल्स की प्रोमोटर डायरेक्टर सुश्री शोभना कामिनени ने कहा।स्किल्स एक्सेलरेटर कौशल अंतराल को रणनीतिक रूप से संबोधित करने पर केंद्रित होगा, जो आजीवन सीखने, अपस्किलिंग और रीस्किलिंग को बढ़ावा देकर भारत के विजन @2047 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप होगा। यह पहल लचीली पाठ्यचर्या, व्यावसायिक और उच्च शिक्षा पथों का एकीकरण, योग्यताओं की पारस्परिक मान्यता, तथा संस्थानों में क्षमता निर्माण को प्रोत्साहित करेगी। एमएसडीई उच्च शिक्षा संस्थानों, व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों और एआईसीटीई तथा यूजीसी जैसे नियामक निकायों के साथ निकट सहयोग करेगा ताकि जागरूकता, कार्यान्वयन और एक्सेलरेटर को विस्तारित किया जा सके।

केपीएल क्रिकेट लीग का भव्य शुभारंभ, पहले मुकाबले में अलादासपुर ने 8 विकेट से दर्ज की जीत

खखरेरू / फतेहपुर खैरई गांव में केपीएल क्रिकेट लीग के प्रथम संस्करण का शुभारंभ उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। टूर्नामेंट का उद्घाटन श्याम यादव, जिला उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा मोर्चा द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन किया।

उद्घाटन मुकाबला अलादासपुर और पौली टीम के बीच खेला गया, जिसमें दर्शकों को रोमांचक क्रिकेट देखने को मिला। पौली टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और निर्धारित ओवरों में छह विकेट के नुकसान पर 114 रन बनाए, जिससे अलादासपुर को जीत के लिए 114 रनों का लक्ष्य मिला।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी अलादासपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मात्र 8 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और मुकाबला 8 विकेट से जीत लिया।

मैच के दौरान खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर अंशु चौधरी, संदीप सोनकर, अजय चौधरी, सरताज हुसैन, जीतू सोनकर सहित सैकड़ों की संख्या में दर्शक मौजूद रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

टूनामेंट के आयोजकों ने बताया कि केपीएल क्रिकेट लीग का उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है।

कार्यशाला में व्यापारी हुए सम्मानित

सलोंन रायबरेली। नगर सलोंन के वार्ड विकास नगर(मानिकपुर रोड) स्थित पुत्तन स्टील ट्रेडर्स के तत्वाधान में व्यापारी कार्यशाला (डीलर मीट) का आयोजन हुआ। जिसमें तहसील क्षेत्र व आसपास के तमाम व्यापारियों को कंपनी हेड द्वारा उपहार देकर सम्मानित किया गया। कूल साइन एयर कूलर कंपनी द्वारा आयोजित व्यापारी मीट में प्रमुख रूप से उपस्थित अनुज सिंह डायरेक्टर कूल साइन एयर कूलर कंपनी, राव वीरेंद्र सिंह लीगल एडवाइजर,सुरेश शुक्ला मीडिया मैनेजमेंट हेड,प्रांजल एडवाइजर, ने उपस्थित व्यापारियों को कंपनी की विशेषता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर यूको बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक शशांक जायसवाल, पूर्व सभासद इसरार हैदर रानू, तनवीर अहमद, आयोजक मुस्तफा रायनी, राजेश विश्वकर्मा देवेंद्र पटेल, विजय मौर्य, फैज, तौकीर अहमद, मुशीर अहमद, माखनलाल, नौशाद खान, गुलजार, राज तिवारी, मुन्ना शर्मा, पुत्तन रायनी ,संजीव पटेल, तालिब हाशमी, अयाज अलमारी, मो अशरफ, आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नौशाद अंसारी ने किया। व आभार प्रकट मुस्तफा रायनी द्वारा किया गया। अंत में सभी उपस्थित महानुभाव को कंपनी की ओर से लंच की व्यवस्था की गई।

प्रतिज्ञा सिंह की अध्यक्षता में यातायात पुलिस कर्मियों प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन ।

(एजेंसी)। **बांदा**

बादा पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में सड़क दुर्घटना से होने वाली मृत्यु दर को कम करने तथा यातायात व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आज दिनांक 22.01.2026 को पुलिस लाइन स्थित नवीन सभागार में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । यह कार्यक्रम ZFD (Zero Fatality District) योजना के अंतर्गत आयोजित किया गया था । क्षेत्राधिकारी यातायात सुश्री प्रतिज्ञा सिंह की उपस्थिति में जनपद बांदा में गठित सीसी टीम के अधिकारी/कर्मचारी गण को प्रशिक्षित किया गया । प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य दुर्घटना संवेदनशील क्षेत्रों में यातायात नियंत्रण और सड़क सुरक्षा को बढ़ाना था । प्रशिक्षण के दौरान पुलिस कर्मियों को निम्न आधुनिक यातायात उपकरणों के सही और प्रभावी उपयोग के बारे में जानकारी दी गईः-

- ब्रिथ एनालाइजर (Breath Analyzer) – शराब पीकर वाहन चलाने वालों की पहचान के लिए ।
- बॉडी वॉर्न कैमरा (Body Worn Camera) – वास्तविक परिस्थितियों में घटनाओं का रिकॉर्ड और निगरानी ।
- स्पीड राडार – वाहनों की गति की निगरानी और नियंत्रण ।
- अन्य आधुनिक यातायात नियंत्रण उपकरण ।

क्षेत्राधिकारी यातायात ने उपस्थित कर्मियों को कहा कि "इन उपकरणों और प्रशिक्षण के माध्यम से हमारी प्राथमिकता सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना और दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों की संख्या को न्यूनतम करना है।"